19197

पीतसालक्षमा जिल्लाहरूमा

उत्तराचेल शासन

2 2 77

निदेशक निमारिक उद्यक्षक उद्यक्षिक देवस्पूत १ अधिक एडअयन निश्चम

देशसद्व दिनांक 🕽 🖞 जून, 2000

विकास नामारिक उड्डायन विभाग **उस्तर्श्यल** हो अन्तमात होगिल महीं घर उपयो/संविदा कामार हर कामियों की रिनारी।

9 0843

्रान्तिक विश्वता शासनावेश सम्बान ३० ०० तिल्यात्स्व / वेश्व हुवा है कि उद्धत शासनावश हाल २००-२००३ दिनाव १५ जनवरी, २००४ के कम में मुक्षे वह करने के निर्मा द्वेचरणामुखार निम्नवल जुन ६० वर्ग १८६० मानेदा आकर वर नियुक्ति हेतु रुपीक्स विभिन्न संवर्ग में मिम्न दिवरणामुखार निम्नवल जुन ६० वर्ग १८ ८५६ नियुक्त की निरम्तरता इस शासनादेश के निर्मात क्षण को विभिन्न करने हैं-

945FF	-SEPEN	रवाक्य भव के सावश अवश / अ नवा एवं नव वातर होते गया जब संख्या	व्यक्तात
	T	3	1 4
4	। राज्यभ भागी कालीच	1-01	2551 240
	CLEAN CHEAN	.02	1 3050 (355)
	चारतम् अनुसन् दुरस्यास्टर	01	#500 Date
	जातिमार् श्रेक्सासिक्ष	01	4030-bin/9
-	2003	01	255, -27.5
	20 St	- 06	1 704.50

ा राहर्ष संविदा पर तैसाती के पूर्व सम्बन्धित पर पार-में र कार्तिक विभाग द्वारा विद्यादित दार से पर बनुवन्य करा दिखा आरोगा।

रता सनस्त शर्ते एतम प्रतिबन्ध पूर्व निर्नत श्रासनाहरू देना है । जावरी, 2004 के अनुसन् हा

- इस सम्बन्ध में होने वाला स्वयं वालू विस्तीत को काक 2006 के आयं व्ययक के उन्हान के उन्हान के उन्हान के अवस्था के अ

मह आदेश दिला विभाग के अशासकीय संख्या- 124 दि- क 1−5−2005 में प्राप्त एकाम एकानि
पार्थ विभाग एक है ।

( भीठसीठशमा) संविधः ।

विद्या-13 5 / 1205 / पाठमाव्यव / श्रीवर्माव / (दिम्म) / पुनर्मावम / 2010 - 2010 व्यवस्था विद्यानिक वास्त्राम्य विभागीतिका वर्ष सूचनार्थ एतं आवश्यक वार्यवाके स्ट्रांट्य -वास्त्राम्य स्थापाचन आवश्यक माद्रस्थ विद्यान माद्रस्थ विद्यान माद्रस्थ व्यवस्थान । वास्त्रद्रे कार्याकारको वेदसद्वा

पनवर्गाहरूकातः सनियासयः देहरादुरा।

अज्ञा स

(গাঁলোটার গাঁ) ভাগিব